डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 22, भाग 3

2 राजा 9-10, भाग 3

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

अब हम इस खूनी प्रकरण के अंतिम दृश्य की ओर मुड़ते हैं, सामरिया में बाल मंदिर का विनाश। एक बार फिर, हम देखते हैं कि यह आदमी येहू कितना चतुर और कितना निर्णायक है। आप इन सभी बाल उपासकों से कैसे छुटकारा पाएँगे? वे ग्रामीण इलाकों में बिखरे हुए हैं।

वे सभी, ज़ाहिर है, इस समय डर में जी रहे हैं। यह आदमी कौन है, येहू? वह क्या करने जा रहा है? और इसलिए जब वे यह शब्द सुनते हैं, ओह, मेरी भलाई, वह नहीं है, वह मारा गया है। उसने योराम को मार डाला है, और उसने अहज्याह को मार डाला है।

उसने अहाब के पूरे परिवार को मार डाला है। लेकिन वह हमारे भगवान बाल के खिलाफ़ नहीं जाएगा। ओह, अच्छा है।

चलो एक बड़ा, बड़ा जश्न मनाते हैं। चलो हम सब बाल मंदिर में इकट्ठे होते हैं, सामरिया में ईज़ेबेल के बाल मंदिर में। अहाब ने बाल की थोड़ी सेवा की।

येहू उसकी बहुत सेवा करेगा। यह राहत की बात है। यह राहत की बात है।

चलो पार्टी करते हैं। बाल के सभी नबियों, उसके सभी सेवकों, उसके सभी पुजारियों को बुलाओ और देखो कि कोई भी गायब न हो क्योंकि मैं बाल के लिए एक बड़ा बलिदान करने जा रहा हूँ। जो कोई भी नहीं आएगा वह जीवित नहीं रहेगा।

वाह। बेहतर होगा कि आप वहाँ रहें। और इसलिए, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, यह हमें येहू की प्रतिबद्धताओं के बारे में क्या बताता है? अगर हमारे मन में येहू के बारे में सवाल हैं, तो हमें महत्वपूर्ण बिंदुओं को नहीं भूलना चाहिए।

वह किसकी सेवा करने जा रहा है? यहोवा, यहोवा हर कीमत पर। यह क्या है? येहू के अभिषेक से लेकर इस क्षण तक यह घटना किस बारे में है? यह बाल की पूजा को समाप्त करने के बारे में है। कोई अगर, कोई और, कोई लेकिन नहीं।

वह कोई खेल नहीं खेल रहा है। अब, फिर से, अगर यह महज एक तख्तापलट होता, तो बाल पूजा से छुटकारा पाना बहुत अच्छा नहीं होता, लेकिन वह बाल पूजा से छुटकारा पाने जा रहा है। जैसा कि मैंने कहा, उसका धोखा ठीक उसी उद्देश्य से था कि वे सभी एक ही समय में एक ही स्थान पर एकत्रित हो जाएँ।

और वे जश्न में शामिल होने के लिए उत्साहित थे क्योंकि उन्हें राहत मिली थी। ओह, वह उनके धर्म को नष्ट नहीं करने जा रहा था। वह केवल उस राजवंश को नष्ट कर रहा था।

यह श्लोक 24 है। अब, येह ने 80 आदमियों को इस चेतावनी के साथ बाहर तैनात किया था। अगर तुम में से कोई भी उन आदमियों में से किसी को भागने देता है जिन्हें मैं तुम्हारे हाथों में सौंप रहा हूँ, तो यह तुम्हारी जान के बदले में उसकी जान होगी।

हम्म, मुझे आश्चर्य है कि क्या प्रभु हमसे कुछ उल्टा कहता है। क्या ऐसे लोग हैं जिन्हें उसने हमें सौंपा है? और वह कह रहा है, उन्हें मुझसे दूर मत जाने दो। क्या ऐसे लोग हैं जिनके लिए तुम्हें प्रार्थना करनी चाहिए? जिनसे तुम्हें बात करनी चाहिए? जिनके प्रति तुम्हें दयालु होना चाहिए? वह कहता है कि मैंने इन लोगों को तुम्हारे हवाले कर दिया है ताकि तुम उन्हें मार डालो।

मुझे लगता है कि यीशु कह रहे होंगे, मैंने इन लोगों को तुम्हारे हवाले किया है कि तुम उन्हें जीवन दो, और यह तुम्हारा जीवन है जो उनके जीवन के लिए है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मुझे लगता है कि इसके कारण हमें मृत्यु दंड दिया जाएगा, लेकिन मैं बस यह कहना चाहता हूँ। इसलिए, जब आदेश आया, तो अंदर जाओ और उन्हें मार डालो। किसी को भी भागने न दो।

इसलिए, उन्होंने उन्हें तलवार से काट डाला। पहरेदारों और अधिकारियों ने शवों को बाहर फेंक दिया और फिर बाल के मंदिर के भीतरी मंदिर में घुस गए जहाँ मूर्ति रखी होगी। उन्होंने बाल के मंदिर से पवित्र पत्थर को बाहर निकाला और उसे जला दिया।

पत्थर को जलाने के लिए आपको बहुत गर्म आग की ज़रूरत होती है। मुझे लगता है कि यह दिलचस्प है कि वे ऐसा नहीं करते। लेखक यहाँ तक नहीं कहता कि इसे मूर्ति कहा जाए।

यह सिर्फ एक पवित्र पत्थर है, लेकिन मुझे लगता है कि इसमें कोई संदेह नहीं है। यह बाल की मूर्ति थी। उन्होंने बाल के पवित्र पत्थर को तोड़ दिया और बाल के मंदिर को भी तोड़ दिया।

और लोग आज तक इसे शौचालय के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अरे, यह अब पवित्र स्थान नहीं रह गया है। अब, क्यों? इस तरह की समग्रता क्यों? पत्थर को तोड़ दिया, मंदिर को तोड़ दिया और इसे शौचालय में बदल दिया।

यहाँ क्या हो रहा है? सम्पूर्ण उन्मूलन। सम्पूर्ण उन्मूलन। थोड़ा सा छोड़ो, और तुम उसी जगह वापस चले जाओगे।

हाँ, हाँ, हाँ। परमेश्वर आगमन को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह हमारे जीवन से संबंधित है।

उनकी प्रभुता के मार्ग में आने वाली छोटी से छोटी चीज भी हमें अपंग बना देगी। लेकिन हम बार-बार उसी की ओर आकर्षित होते हैं। इससे छुटकारा पाएँ।

इससे छुटकारा पाओ। और यह अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजें होंगी। अलग-अलग लोगों पर अलग-अलग चीजों का असर होता है।

लेकिन इससे सख्ती से निपटना होगा। भगवान की जगह पर आप जो भी प्यार करेंगे, वह आपको मार देगा। मैंने इस बारे में इस तरह से सोचा है।

मेरे हाथ में कई सौ पैसे हैं। वे सभी कोविड से संक्रमित हैं। मुझे उनमें से कितने से छुटकारा पाना है? उनमें से हर एक से।

हर एक। खैर, मैं सिर्फ़ एक को रखना चाहता हूँ। बस इतना ही काफी है।

बस इतना ही काफी है। इसलिए फिर से, अगर हम येहू के बारे में सवाल पूछें, और मैं निश्चित रूप से पूछता हूँ, तो उसने जो कुछ किया, उसमें बहुत कुछ ऐसा है जो उस समय बिल्कुल वैसा ही था जैसा कि अपेक्षित था। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप आयत 28 और 29 को देखें।

इसलिए, येहू ने इस्राएल में बाल की पूजा को नष्ट कर दिया। हालाँकि, हे प्रभु, वह उत्तरी राज्य के सबसे पहले राजा, नबात के बेटे यारोबाम के पापों से दूर नहीं हुआ, जिसके कारण उसने इस्राएल को बेतेल और दान में सोने के बछड़ों की पूजा करने के लिए मजबूर किया। ओह, यह अवसर था।

किसी के पास सबसे अच्छा मौका था कि वह यह कह सके कि हम यहोवा की मूर्तियों से छुटकारा पा लेंगे। लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। अब, मैंने इस बारे में कुछ सोचा है।

मेरा मतलब है, इसका क्या मतलब है? अगर आप उन मूर्तियों से छुटकारा पा लेते, तो क्या आपके लोगों को परमेश्वर की आराधना करने के लिए यरूशलेम वापस जाना पड़ता? इसका क्या मतलब हो सकता है? क्या इसका मतलब आपके राज्य का विघटन हो सकता है? यही वह बात थी जिसका डर यारोबाम को शुरू में था जब उसने उन मूर्तियों को बनाया था, कि लोग उस भव्य मंदिर की ओर वापस आ जाएँगे। लेकिन क्या वे मूर्ति के बिना बेथेल में परमेश्वर की आराधना कर सकते थे? मुझे नहीं पता। मुझे यहाँ इसका उत्तर नहीं पता।

लेकिन बहुत स्पष्ट रूप से, उन्होंने वह सब नहीं किया जो उन्हें करना चाहिए था। उनके पास आगे बढ़ने और परिणामों को जोखिम में डालने और इज़राइल को वापस उस स्थिति में ले जाने का अवसर था जहाँ उसे मूर्तिपूजा विरोधी माना जाता था। और उन्होंने ऐसा नहीं किया।

फिर से, मुझे लगता है कि यह सवाल आपके और मेरे लिए है। क्या ऐसी जगहें हैं जहाँ मुझे प्रभु की आराधना में जाना चाहिए जहाँ मैं अभी तक जाने को तैयार नहीं हूँ? क्या ऐसे अवसर हैं जहाँ मुझे उनकी सेवा अधिक स्पष्ट और शुद्ध रूप से करनी है? और मैं उन्हें खो रहा हूँ। और इसलिए, प्रभु ने येहू से कहा, क्योंकि तुमने मेरी नज़र में जो सही है उसे पूरा करने में अच्छा किया है और अहाब के घराने के साथ वही किया है जो मैं करना चाहता था, तुम्हारे वंशज चौथी पीढ़ी तक इस्राएल के सिंहासन पर बैठेंगे।

यह उत्तरी राज्य का सबसे लंबा राजवंश है। येहू राजवंश चार पीढ़ियों तक लगभग 100 वर्षों तक राजगद्दी पर रहा। फिर भी, येहू ने पूरे दिल से इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की व्यवस्था का पालन करने में सावधानी नहीं बरती।

वह यारोबाम के पापों से दूर नहीं हुआ, जो उसने इस्राएल से करवाए थे। व्यवस्थाविवरण अध्याय 10, आयत 12 और 13 पर नज़र डालें। लोग मुझसे पूछते रहते हैं कि बाइबल में मेरी पसंदीदा आयतें कौन सी हैं। और मैं कहता हूँ कि मैंने हाल ही में जो आयतें पढ़ी हैं, वे मुझे पसंद हैं।

लेकिन ये बातें करीब आती हैं। अब, इस्राएल, तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुमसे क्या चाहता है? सिवाय इसके कि तुम अपने परमेश्वर यहोवा का भय मानो, उसकी आज्ञाओं पर चलो, उससे प्रेम करो, और अपने पूरे मन और पूरे प्राण से उसकी सेवा करो। यहू ने ऐसा नहीं किया।

उन्होंने प्रभु की सेवा की। उन्होंने निश्चित रूप से की। कुछ गतिशील और शक्तिशाली तरीकों से, लेकिन पूरे दिल से नहीं।

इसका क्या मतलब है? पूरे दिल से प्रभु के लिए जीने का क्या मतलब है? आपके विचार क्या हैं? इससे ज़्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। ठीक है, और क्या? उस महिला को एक गोल्ड स्टार दें। पूरी आज्ञाकारिता, ठीक है? पूरा ध्यान, उसका तरीका, उसका तरीका, उसका तरीका।

और क्या? आप देखिए, मुझे लगता है कि यहू ने सोचा कि आज्ञाकारिता ही वह सब है जो ज़रूरी है। मैं यह बात सावधानी से कहना चाहता हूँ, लेकिन मैं यह कहने जा रहा हूँ। परमेश्वर आपकी आज्ञाकारिता नहीं चाहता।

वह तुम्हें चाहता है, और अगर वह तुम्हें पा लेता है, तो तुम्हारे पिता जो चाहते हैं, वह करना कोई बड़ी बात नहीं है। लेकिन यह तब होता है जब हम, ओह, मुझे भगवान के लिए यह करना है। ठीक है, ठीक है, मुझे इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कम से कम क्या करना होगा? लेकिन नहीं, पिता, मैं तुम्हें चाहता हूँ।

यही आप यीशु के साथ देखते हैं। मेरी रोटी मेरे पिता की इच्छा पूरी करना है, लेकिन मेरे पिता की इच्छा पूरी करना बहुत महत्वपूर्ण है। मेरे ईश्वर की इच्छा नहीं, मेरे बाँस की इच्छा नहीं, मेरे सुपरवाइजर की इच्छा नहीं, बल्कि मेरे पिता की इच्छा।

इसलिए, आप परमेश्वर की इच्छा को परमेश्वर के तरीके से अलग तरीके से पूरा कर सकते हैं, और आप परमेश्वर की इच्छा को सीमित तरीके से पूरा कर सकते हैं जो रिश्ते के पूरे पहलू को नज़रअंदाज़ करता है। मुझे अपनी दृष्टि में जीने के लिए ईर्ष्यापूर्ण देखभाल के साथ तैयार करें, और हे अपने सेवक, प्रभु, देने के लिए एक सख्त हिसाब तैयार करें। हाँ।

इसलिए, कई मायनों में, यहू की कहानी एक जीत और त्रासदी है। उसने परमेश्वर की इच्छा पूरी की। उसने उत्तरी राज्य को यहोवा को खोने के खतरे से बचाया, लेकिन उसने यह अपने तरीके से किया, एक ऐसा तरीका जो परमेश्वर के मन में जो था उससे कहीं बढ़कर था, और उसने इसे आंशिक रूप से किया।

उन्होंने अपने आदेश का स्पष्ट उद्देश्य पूरा किया: बालवाद से छुटकारा पाना, लेकिन ईश्वर के साथ एक प्रेमपूर्ण संबंध उन्हें अगले कदम पर ले जाता और यहोवा की मूर्तिपूजक पूजा से छुटकारा दिलाता। मुझे नहीं पता कि यह बात उनके दिमाग में कभी आई या नहीं, मुझे नहीं पता

कि उन्होंने इस संभावना पर विचार किया या नहीं, या फिर यह बात उनके दिमाग में कभी नहीं आई। मेरा मतलब है, हम इन सोने की मूर्तियों की पूजा लगभग 100 वर्षों से कर रहे हैं।

उनसे छुटकारा पाना? हम ऐसा क्यों करेंगे? अच्छा, बाइबल पढ़ें। बाइबल? वह क्या है? तो, यह हमारी चुनौती है। हे प्रभु, आप मेरा पूरा हिस्सा ले सकते हैं, हर आखिरी टुकड़ा, और जो भी रास्ते में आता है, अगर आप मुझे चाकू देंगे, तो मैं उसे काट दूंगा।

लेकिन प्रभु, मैं सिर्फ आपकी इच्छा पूरी नहीं करना चाहता। मैं आपसे प्यार करना चाहता हूँ। मैं वो नहीं करना चाहता जो आपको पसंद हो।

मैं वही करना चाहता हूँ जिससे तुम्हें खुशी मिले। मैंने राजाओं की इस पुस्तक में, न्याय के बारे में बार-बार सोचा है। उसने वही किया जो परमेश्वर की नज़र में बुरा था।

आँखें हमें बहुत कुछ बताती हैं। क्या तुम मेरे काम से खुश हो? ओह, तुम खुश नहीं हो। मैं जीना चाहता हूँ, और भगवान मेरी मदद करें। मैं भगवान की आँखों की मुस्कान में जीना चाहता हूँ।

मैं चाहता हूँ कि वह कहे, ओह प्रिय, तुम वही कर रही हो जो मैं चाहता हूँ। ये शब्द कहना खतरनाक है, लेकिन येहू यही भूल गया। येहू यही भूल गया।

उसने परमेश्वर की इच्छा पूरी की, लेकिन उसने यह काम अपने तरीके से और आंशिक रूप से किया।

और ऐसा बिल्कुल भी नहीं है जो हो सकता था। और फिर से, मैं आपको यहीं नहीं छोड़ना चाहता। मैं फिर से यही बात कहना चाहता हूँ।

ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ येहू को बताया गया हो, और आपको उन मूर्तियों से छुटकारा पाना होगा। मुझे संदेह है, मुझे संदेह है, अगर किसी ने उसकी मृत्युशय्या पर ऐसा कहा हो। किसी ने कभी मुझसे नहीं कहा कि मुझे ऐसा करना है।

ठीक है। किसी ने आपको नहीं बताया कि आपको ऐसा करना है। लेकिन अगर आप पिता के दिल में होते, तो आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं पड़ती। आपको पता होता।

आइए प्रार्थना करें। हे

प्रभु, हमारी मदद करें। हम येहू के लिए आपका धन्यवाद करते हैं। आपका धन्यवाद कि वह वफ़ादार था। कि वह इस भयानक कार्य को करने के लिए तैयार था।

लेकिन मुझे डर है कि उसे इसमें मज़ा आया। हे पिता, हमें येहू से आगे ले चलो। हमें अपने दिल में ले लो।

जहाँ आप जो चाहते हैं उसे करना हमारे लिए खुशी की बात होगी, बोज़ नहीं। हे प्रभु यीशु, हमारी मदद करें कि आपकी आत्मा हमारे भीतर हो, जहाँ हमारी रोटी आपकी इच्छा पूरी करना है।

और सिर्फ़ वही नहीं जो कहा गया है, बल्कि जो आपके दिल में है। शुक्रिया। आपके नाम पर।
आमीन।